□□□□ □□□□□

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

□□□ □□□

अतारांकित प्रश्न □ख□□: 3373

12 □□□□, 2019 □□ □□□□□□□□□□प्रश्□ □□ □त्त□

अस्पतालों/मेडिकल महाविद्यालयों म बेड को □□□

3373. श्री□ □□□□□□□□□

श्री□□□□ □□□□□ □□□□ी□

श्री एन॰के॰ प्रेमचन्द्रनः

क्या स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री यह बताने को कृपा करगे किः

(क) क्या देश के अस्पतालों/मेडिकल महाविद्यालयों म जनसंख्या को तुलना म बहुत कम बेड उपलब्ध ह और अंतराष्ट्रीय स्तर के मानकों के अनुरूप नहीं ह जिसके परिणामस्वरूप रोगी फश पर लेटने को मजबूर ह;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इसके क्या कारण ह और अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) और अन्य मेडिकल महाविद्यालयों विशेषतः केन्द्र सरकार के अस्पतालों म मौजूद बेडों को संख्या कितनी है;

(ग) गत तीन वर्षों म प्रत्येक वष और चालू वष के दौरान इस उद्देश्य हेतु अस्पताल/मेडिकल महाविद्यालय-वार आवंटित राशि कितनी है और अंतराष्ट्रीय स्तर के मानकों के अनुरूप इन्ह बनाने और बेड-जनसंख्या अनुपात म सुधार करने हेतु सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए ह/उठाए जा रहे ह;

(घ) क्या सरकार स्वास्थ्य अवसंरचना सुविधाओं को विकसित करने हेतु कोई कायक्रम शुरू करने पर विचार कर रही है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ङ) सरकारी मेडिकल महाविद्यालयों और सामान्य अस्पतालों म बेड संख्या बढ़ाने हतु विशेष वित्तीय सहायता प्रदान करने हेतु सरकार द्वारा क्या कारवाई को गई है/प्रस्तावित है?

□त्त□

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण राज्य □त्री□ (श्री□ □□श्वे□□ □□□□ □□□)□

(क): केन्द्रीय स्वास्थ्य आसूचना ब्यूरो (सीबीएचआई) द्वारा संकलित राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्रोफाइल -2018 के अनंतिम डेटा के अनुसार देश के औसतन 1844 लोगों के लिए ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के प्राथमिक स्वास्थ्य

केन्द्रों (पीएचसी) सहित सरकारी अस्पतालों म एक बिस्तर उपलब्ध है। तथापि, केन्द्रीय तौर पर अंतराष्ट्रीय स्तर के डेटा का रखरखाव नहों किया जाता है।

(ख): सफदरजंग, डॉ. राम मनोहर लोहिया, लेडी हार्डिग और संबद्ध अस्पताल तथा अखिल भारतीय आर्युविज्ञान संस्थान, नई दिल्ली के संबंध म बिस्तरों को संख्या इस प्रकार है:-

□स□□□□ □□ □□□	□□स□रों को संख्या
सफदरजंग अस्पताल*	2873
लेडी हार्डिग मेडिकल कॉलेज श्रीमती सुचेता कृपलानी अस्पताल	877
कलावती सरण चिल्ड्रेन अस्पताल	375
डॉ. राम मनोहर लोहिया	1447
अखिल भारतीय आर्युविज्ञान संस्थान, नई दिल्ली	2483

* स्पोट्स एन्जुरी सटर सहित

(ग): बिस्तरों को संख्या बढ़ाने के लिए अस्पतालों को अलग से कोई बजट आवंटित नहों किया जाता है। तथापि, गत तीन वर्षों तथा वतमान वष के दौरान सफदरजंग, डॉ. राम मनोहर लोहिया, लेडी हार्डिग और संबद्ध अस्पताल तथा अखिल भारतीय आर्युविज्ञान संस्थान, नई दिल्ली को आवंटित धनराशि इस प्रकार है:

□स□□□□ □□ □□□	□□f□□ □□□ (□□□□ □)			
	2016-17	2017-18	2018-19	2019-20
सफदरजंग अस्पताल*	943.98	1121.39	1177.17	1227.20
लेडी हार्डिग मेडिकल कॉलेज श्रीमती सुचेता कृपलानी अस्पताल	296.00	406.49	410.74	475.10
कलावती सरण चिल्ड्रेन अस्पताल	90.00	105.48	111.81	124.90
डॉ. राम मनोहर लोहिया**	492	556.87	562.49	750
अखिल भारतीय आर्युविज्ञान संस्थान, नई दिल्ली	2043	2400	3018	3599.65

* स्पोट्स एन्जुरी सटर और बर्द्धमान महावीर मेडिकल कॉलेज, नई दिल्ली सहित

** डॉ. आरएमएल पीजीआईएमईआर, नई दिल्ली सहित

इसके अलावा, चूंकि स्वास्थ्य राज्य का विषय है, इसलिए मांग और धनराशि को उपलब्धता के अनुसार अपने अस्पतालों म बिस्तरों को संख्या बढ़ाने का प्रयास करना राज्य सरकार को प्राथमिक जिम्मेदारी है। तथापि, केन्द्र सरकार राज्य सरकारों को राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) सहित विभिन्न योजनाओं के माध्यम से लोगों को बेहतर स्वास्थ्य देखभाल प्रदान करने के उनके प्रयासों म सहायता प्रदान करती है।

(घ) एवं (ड.): जहां तक दिल्ली स्थित केन्द्र सरकार के अस्पतालों अथात सफदरजंग, डॉ. राम मनोहर लोहिया और लेडी हार्डिग मेडिकल कॉलेज और संबद्ध अस्पतालों का प्रश्न है, सरकार ने 570 अतिरिक्त बिस्तरों के साथ एलएचएमसी के पुनर्विकास को स्वीकृत किया। सफदरजंग अस्पताल म वष 2018 म 807 बिस्तरों के साथ सुपर स्पेशियलिटी ब्लॉक सह पेड वाड ब्लॉक तथा 500 बिस्तरों के साथ आपातकालीन ब्लॉक शुरू किया गया। डॉ. राम मनोहर लोहिया अस्पताल म 509 अतिरिक्त बिस्तरों के साथ सुपर स्पेशियलिटी ब्लॉक भी स्वीकृत किया गया है।

इसके अतिरिक्त, केन्द्र सरकार ने प्रधान मंत्री स्वास्थ्य सुरक्षा योजना (पीएमएसएसवाई) के तहत जोधपुर, भोपाल, भुवनेश्वर, रिषिकेश, रायपुर और पटना म छ: नए एम्स को भी स्थापना को है।

****